महत्वपूर्ण एवं खास

नहर में गिरी तेज रफ्तार कार, दो युवक बाहर कूदे, एक कार के साथ डूबा तलाश जारी

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। ढ़ाबे में खाना खाने जा रहे तीन दोस्तों की कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। दो युवक तो किसी तरह कार से कूद गए लेकिन एक युवक कार के साथ नहर में गिरकर डूब गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बचे दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया और डूबे युवक की तलाश शुरू की गई। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा उरगा थाना क्षेत्र में हुआ है। दर्री निवासी व्यवसायी कुशल दास महंत, शंकर लाल कंवर व रवि यादव रात को ढाबे में खाना खाने का प्लान बनाया। रवि यादव अपने सेठ की गाड़ी लेकर पहुंचा। कार रवि यादव चला रहा था। यह लोग कोरबा के उरगा जा रहे थे जहां ढ़ाबा पर खाने का प्लान था। कोरबा-चांपा मुख्य मार्ग पर पहुंचे थे कि तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और पुलिया का डिवाइडर तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। बताया जा रहा है कि यहां नहर में काफी ज्यादा पानी है। तीनों कार के साथ नहर में फंस गए। इस बीच कुशल दास महंत और शंकर लाल कंवर किसी तरह कार बाहर निकल गए, लेकिन रवि यादव नहीं नकल पाया और कार सहित नहर में बह गया। सूचना मिलने पर उरगा पुलिस मौके पर पहुंची और कुशल दास महंत और शंकर लाल कंवर को अस्पताल पहुंचाया गया। शनिवार सुबह से ही कार की तलाश की जा रही है। पुलिस जाल डालकर कार की तलाश कर रही है।

राजिम होते हुए धमतरी पहुंचे जिले में विचरण कर रहे दंतैल

महासमुंद (आरएनएस)। जिले में पिछले पखवाड़ेभर से विचरण कर रहे दोनों दंतैल शुक्रवार को धमतरी जिले पहुंच गए। हाथियों ने दोपहर करीब 1 बजे गरियाबंद जिले के पांडुका वन परिक्षेत्र से गुजरी पैरी नदी को पार कर धमतरी जिले में प्रवेश किया। हाथियों की दस्तक की खबर के बाद विभाग द्वारा आसपास के आधे दर्जन गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। इधर, हाथियों के जिले से पलायन किए जाने के बाद सिरपुर क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ वन अफसरों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि भोजन-पानी की तलाश में करीब एक माह पूर्व दोनों दतैल गरियाबंद जिले पहुंच गए थे।

ट्रेलर वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचा ड्राइवर

बलरामपुर (आरएनएस)। नेशनल हाईवे 343 में औराझरिया मोड़ पर दुर्घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है रविवार को एक टेलर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था जिसे अभी हटाया भी नहीं जा सका था तो दूसरा टेलर सोमवार की शाम को दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें सवार ड्राइवर एवं परिचालक बाल बाल बचे घटना की सूचना पर यातायात विभाग की टीम मौके पर पहुंची। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की शाम रायगढ़ से बिहार के बक्सर लोहा का एंगल लोड करके टेलर जा रहा था इसी दौरान औरझरिया मोड़ के पास जहां पहले 1 दिन पहले ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त हुआ था उसी के समीप यही पे मोडऩे के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जैसे ही इसकी सूचना यातायात विभाग के पेट्रोलिंग गाड़ी को लगी तो तत्काल मौके पर जिला यातायात प्रभारी राजेंद्र साहू हेड कांस्टेबल बूटन सिंह, जयप्रकाश टोप्पो, अमित मिंज सहित यातायात विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जिसके द्वारा दोनों टेलर वाहनों को घंटों मशक्कत के बाद सडक़ से हटवाया गया ताकि यातायात प्रभावित न हो। घटना से चालक पवन कुमार परिचालक चंदन कुमार बाल बाल बचे। औरझरिया मोड़ पर आए दिन हो रही दुर्घटनाएं कम नहीं हो रही है।

इस सत्र से खुलेंगे 50 नए आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की घोषणा
- स्वामी आत्मानंद स्कूल में प्रवेश के लिए भीड़ को देखते हुए मुख्यमंत्री का अहम निर्णय
- 34,652 सीटों के लिए करीब डेढ़ लाख आवेदन आए

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू किए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में प्रवेश के लिए लोगों का जबरदस्त रुझान देखकर मुख्यमंत्री बघेल ने राज्य में शैक्षणिक सत्र-2022 से 50 नए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर इस संबंध में घोषणा की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि आगे भी जितनी जरूरत होगी उतने स्कूल तैयार होते रहेंगे। बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।'' गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर शुरू किए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल को लेकर जबरदस्त रुझान देखने को मिल रहा है। इन स्कूल में प्रवेश के लिए होड़ मची है। प्रदेश के 171 स्कूलों में से 126 स्कूलों के 34 हजार 652 सीटों के लिए तकरीबन डेढ़ लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं। अकेले रायपुर जिले में संचालित 9 सरकारी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पहली से 12वीं तक की कक्षा में प्रवेश के लिए 27 हजार से ज्यादा आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। जबकि रायपुर जिले में संचालित इन स्कूलों में कुल उपलब्ध सीटों की संख्या करीब दो हजार है। इसी तरह राज्यभर में संचालित कुल 171 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल में एक-एक सीट के पीछे कई गुना अधिक आवेदन मिल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को भी भविष्य में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में सरकारी अंग्रेजी माध्यम से स्कूल खोलने की पहल की। मुख्यमंत्री का कहना था कि भाषा की बाधा प्रतिभावन बच्चों से अवसर न छीने। कैबिनेट में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद शैक्षणिक सत्र 2019-20 से राजधानी रायपुर में राज्य शासन की ओर से तीन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूल से इसकी शुरुआत की गई। इसके कुछ ही समय बाद 52, फिर 119 और वर्तमान में 171 स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। अब आगामी शिक्षा सत्र 2022-23 से 50 नए स्कूल शुरू कर दिए जाएंगे।

सीटों से कई गुना अधिक आवेदन : राज्य में वर्तमान में संचालित 171 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए 126 स्कूलों में सीटों की संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। सबसे ज्यादा आवेदन रायपुर के आरडी तिवारी स्कूल के लिए प्राप्त हुए हैं। यहां 153 सीटों के लिए 7 हजार 904 आवेदन मिले हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल में से 126 स्कूलों में कुल 34 हजार 652 सीटों के एवज में 1 लाख 48 हजार 398 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

अब एक कक्षा में 50 सीट : राज्य में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश मीडियम स्कूलों में प्रवेश के लिए भारी भीड़ और पालकों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी महीने 14 अप्रैल को इन स्कूलों की प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों की प्रवेश के लिए सीटों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए थे। अब तक इन स्कूलों में 40 छात्रों को प्रवेश दिया जाता था, जिसे बढ़ाकर अब प्रत्येक कक्षा में 50-50 सीट कर दिया गया है।

कलेक्टरों को पत्र जारी : मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला की ओर से राज्य से सभी जिला कलेक्टरों को अर्धशासकीय पत्र जारी किया गया है। इस पत्र के माध्यम से कलेक्टरों को जिला में संचालित शासकीय स्कूलों को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल के रूप में परिवर्तित करने संबंधी प्रस्ताव मंगाए गए हैं। कलेक्टरों को तीन दिवस के भीतर इस संबंध में अपने प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। कलेक्टरों से कहा गया है कि इस बात का ध्यान रखा जाए कि प्रस्तावित स्कूलों में आवश्यक रिनोवेशन एवं शिक्षकों की नियुक्ति का कार्य 15 जून के पूर्व पूरा कर लिया जाए, जिससे शैक्षणिक सत्र 2022-23 से ही इन स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई शुरू की जा सके। साथ ही कहा गया है कि वर्तमान में हिन्दी माध्यम में पढऩे वाले बच्चों की पढ़ाई उसी स्कूल में जारी रखी जाएगी। आवश्यकता होने पर इन स्कूलों में कक्षाएं दो पालियों में लगाई जा सकती हैं।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में एडमिशन को लेकर काफी रुझान देखने को मिल रहा है। हर कोई अपने बच्चों को इन स्कूलों में पढ़ाना चाहता है। ऐसे में हम जरूरतों के मुताबिक स्कूलों की संख्या बढ़ा रहे हैं। आगे भी जितनी जरूरत होगी उतने स्कूल तैयार होते रहेंगे। बच्चों की शिक्षा गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

चिटफंड कंपनी सांई प्रकाश प्रापर्टी डव्हलपमेंट लिमिटेड की संपत्ति होगी कुर्क

- जिला दण्डाधिकारी ने जारी किया अंत: कालीन आदेश

रायपुर (आरएनएस)। चिटफंड कंपनी सांई प्रकाश प्रापर्टी डव्हलपमेंट लिमिटेड कंपनी की संपत्ति जल्द ही कुर्क की जाएगी। जिला दण्डाधिकारी और कलेक्टर सौरभ कुमार ने इस संबंध में अंत:कालीन आदेश जारी किया है।

चिटफंड कंपनी की रायपुर के जी.ई रोड छत्तीसगढ़ ऑटो केयर के पास की भूमि पर निर्मित दो मंजिला भवन के द्वितीय तल का स्थित दुकान, टिकरापारा प.ह.नं. 114 तहसील व जिला रायपुर स्थित खसरा नं. 424/3-5-8 में निहित कुल एरिया 0.675 हेक्टेयर अर्थात 72630 वर्गफुट के माप के सभी भूखंड या प्लाट जो कि वार्ड नं. 46 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड प्रोग्रेसिव प्वाईंट के पांचवे तल पर निर्मित है, को कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी के डायरेक्टर पुष्पेन्द्र सिंह बघेल, पिता स्व. कृष्ण प्रताप सिंह बघेल, पुष्पांजली बघेल पति पुष्पेन्द्र बघेल, रणविजय सिंह बघेल पिता स्व. कृष्ण प्रताप सिंह बघेल, धीरेन्द्र सिंह बघेल पिता स्व. कृष्ण प्रताप सिंह बघेल, शहेन्द्र सिंह बघेल पिता स्व. कृष्ण प्रताप सिंह बघेल, मृगेन्द्र सिंह पिता स्व. कृष्ण प्रताप सिंह बघेल सभी निवासी सेमरपाखा थाना ब्यौहारी जिला शहडोल मध्यप्रदेश प्रदेश द्वारा सांई प्रकाश प्रापर्टी डव्हलपमेंट लिमिटेड कंपनी के नाम से कंपनी बनाकर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर कंपनी के द्वारा अपने कार्यकर्ताओं के सहयोग से आम जनता को अधिक ब्याज देने, कम समय में धन दोगुना करने का झांसा देकर विभिन्न लोक लुभावनी योजना बताकर निवेशकों से कपटपूर्वक राशि जमा कराई गई थी। निवेशकों द्वारा जमा कराई गई राशि परिपक्वता के पश्चात् भी उन्हे भुगतान नहीं करने, जमा की गई राशि को वापस नहीं करने, जमा राशि का ब्याज भी अदा नहीं कर धोखाधड़ी किया गया। प्रकरण में निवेशकों द्वारा प्राप्त शिकायत के आधार पर थाना आजाद चौक, रायपुर में विभिन्न धाराओं के तहत कंपनी के डायरेक्टरों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

कंपनी के द्वारा निक्षेपकों से प्राप्त धन राशि से आरोपी कंपनी के नाम से मेसर्स अविनाश बिल्डर्स द्वारा भागीदार मुकेश सिंघानिया पिता नरेश सिंघानिया निवासी गोकुल, गीतानगर रायपुर के नाम दर्ज ग्राम पश्चिम सिविल स्टेशन, जी.ई. रोड छत्तीसगढ़ आटो केयर के पास, राजकुमार कॉलेज परिसर की नजूल भूमि, ब्लाक नं. 27, 30, 31 प्लाट नं. 8 एवं 2 के भाग पर निर्मित दो मंजिला भवन के द्वितीय तल का स्थित दुकान एस.एफ. 7 बी सुपर बिल्ट अप एरिया 1150 वर्गफुट याने 106.87 वर्गमीटर तथा सुनील कुमार शर्मा पिता राम कुमार शर्मा द्वारा मोनिका रियल स्टेट के नाम दर्ज भूमि ग्राम टिकरापारा प.ह.नं. 114 तहसील व जिला रायपुर स्थित ख0नं0 424/3-5-8 में निहित कुल एरिया 0.675 हे. अर्थात 72630 वर्गफुट के माप के सभी भूखंड या प्लाट जो कि वार्ड नं. 46 डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड प्रोग्रेसिव प्वाइंट के पांचवे तल पर निर्मित कार्यालय क्रमांक 545, 546, 547. 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561 क्षेत्रफल क्रमश: 534, 522, 522, 522, 522, 534, 522, 522, 522, 522, 1008, 522, 522, 522, 522, 522, 534 वर्गफुट क्रय की गई है।

कैंसर पीड़ित युवक ने ब्लेड से गला काट कर दे दी जान

कोरबा (आरएनएस)। अपनी मौसी के घर घूमने आए युवक ने तेज आवाज में मोबाइल पर गाना सुनते हुए बाथरूम में ब्लेड से अपना गला काटकर आत्महत्या कर ली। युवक कैंसर समेत अन्य बीमारी से पीड़ित था। इसको लेकर वह काफी परेशान था। हाल में ही रायपुर से अपने भाई के साथ इलाज करा कर मौसी के घर आया था।

घटना दर्री थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार जांजगीर. चांपा के सारागांव निवासी मोती प्रकाश राठौर 27 अपने भाई सोम के साथ यहां निवासरत मौसी के घर आया था। सोम ने पुलिस को बताया कि मोती पिछले कुछ समय से कैंसर और दूसरी बीमारी से पीड़ित था। उसका इलाज चल रहा था। दोनों भाई हाल में ही इलाज कराने रायपुर गए थे। वहां से लौटने पर मौसी से मिलने दर्री आ गए। शुक्रवार की सुबह सब लोग सो रहे थे, तब मोती प्रकाश बाथरूम में गया और तेज आवाज में मोबाइल में गाना सुनते हुए अपने गले को ब्लेड से काट लिया। काफी देर तक जब वह बाथरूम से बाहर नहीं निकला, तब स्वजनों ने उसे आवाज दी। इस पर अंदर से उसरे बहुत धीमी आवाज में जवाब दिया। इस पर किसी अनहोनी क संदेह में दरवाजा तोड़ा गया। यहां मोती फर्स पर गिरा हुआ पड़ा था। उसका गला कटा होने से खून बह रहा था।

तिरंगा रैली में तब्दील हुआ दांडी यात्रियों का काफिला

- रायपुर की ओर कूच, 5000 से अधिक यात्री हुए शामिल

धमतरी (आरएनएस)। नियमितीकरण की मांग को लेकर दंतेवाड़ा से पैदल चल कर रायपुर के लिए निकले दांडी यात्रियों का काफिला 30 अप्रैल को राजधानी रायपुर की ओर कूच कर रहा।ये दांडी यात्री 1 कि.मी. लम्बा तिरंगा लेकर शाम को रायपुर बूढ़ा तालाब पहुंचेगी। छत्तीसगढ़ के इतिहास में यह पहला आंदोलन है जिसमें कर्मचारियों द्वारा 400 कि.मी. की दांडी यात्रा निकाली जा रही है, जिसमें से रायपुर आते आते इनकी संख्या 5000 से अधिक की हो गई है। दांडी यात्रा के नेतृत्वकर्ता सूरज सिंह ठाकुर ने बताया कि अन्य जिलों से भी मनरेगा कर्मचारी दांडी यात्रा में अपनी सहभागिता देने के लिए निकल रहे हैं। निमोरा से हमारी यात्रा अब तिरंगा रैली का रूप ले ली है। हमें यह विश्वास हैं कि संवेदनशील मुख्यमंत्री जी हमारी जरूर सुनेंगे। यह मनरेगा कर्मी अपने नियमितिकरण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे है।

आरडीए ने एक दिन में सर्वाधिक बिक्री का रिकार्ड बनाया

- एक दिन में 55.62 करोड़ रुपए की संपत्ति बेची
- बिजनेस प्लाटों में प्रतिस्पर्धा, ऊंची दर दे व्यापारियों ने हासिल किया भूखंड
- 33 सौ प्रति वर्गफु ट की निविदा 4251 रुपए लिया प्लाट

रायपुर (आरएनएस)। कमल विहार योजना के बिजनेस प्लाटों में आज जम कर तेजी देखी गई। बिजनेस प्लाटों को लेने में व्यापारियों में काफी प्रतिस्पर्धा रही। कमल विहार के सेक्टर 13 में 33 सौ रुपए प्रति वर्गफ्ुट ऑफ सेट दर के व्यावसायिक भूखंड की अधिकतम दर 4251 रुपए आई। वहीं सार्वजनिक व अध्द सार्वजिनिक उपयोग के भूखंड जिसका ऑफसेट दर 2280 रुपए था उसमें 2701 रुपए प्रति वर्गफुट की अधिकतम राशि की निविदा डाली गई।

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चन्द्रकांत वर्मा ने बताया कि आज हुई निविदा ने पिछले साल एक दिन में 52 करोड़ रुपए की सर्वाधिक ब्रिकी का रिकार्ड भी तोड दिया। आज की निविदा में इद्रप्रस्थ रायपुरा के दो आवासीय भूखंडों की ब्रिकी सहित कुल 55.62 करोड़ रुपए की संपत्ति का विक्रय हुआ। यह रायपुर विकास प्राधिकरण में एक दिन में सबसे ज्यादा संपत्ति विक्रय का एक नया रिकार्ड है।

रायपुर विकास प्राधिकरण ने कमल विहार में आज 288 बिजनेस प्लाटों के लिए निविदा आमंत्रित की थी। इसमें आज 224 प्लाटों की बिक्री हुई। व्यावसायिक के 119 भखंडों में से 92 भूखंडों की निविदाएं डाली गई। वहां सार्वजनिक व अध्द सार्वजनिक उपयोग के कुल 171 में से 132 भूखंडों की निविदाए डाली गई। आज कमल विहार के विक्रय हुए भूखंडों से प्राधिकरण को 54.66 करोड़ रुपए की आय होगी।

प्राधिकरण के अध्यक्ष सुभाष धुप्पड ने रिकार्ड विक्रय पर कहा कि प्राधिकरण की संपत्तियों का पिछले एक साल में दो बार बिक्रय में बना रिकार्ड यह बताता है कि नागरिकों का छत्तीसगढ़ शासन के निगमित निकाय रायपुर विकास प्राधिकरण पर सबसे ज्यादा भरोसा है। हम लोगों के इसी भरोसे के बल पर नागरिकों के लिए बेहतर गुणवता और सही कीमत में सुविधाएं देंगे। आज की निविदा के अवसर पर प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवीन कुमार ठाकुर, अधीक्षण अभियंता अनिल गुप्ता, राजस्व अधिकारी राकेश कुमार देवांगन व सुश्री संधया नामदेव सहित काफी संख्या में आवेदक पुरुष और महिलाएं उपस्थित थे।

खिलौना समझकर 4 पैरा बम के साथ खेल रहे थे बच्चे

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। जिले के ग्राम चूडिटिकरा-मांझीपदर में छोटे बच्चे बम को खिलौना समझ कर खेल रहे थे। बताया जा रहा है कि खेत में खेल रहे बच्चों को 04 पैरा बम मिले और जब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की नजर इस पर पड़ी तो उन्होंने इसकी जानकारी गांव वालों को दी, इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को बताया। जिसके बाद बम निरोधक दस्ता की टीम मौके पर पहुंचकर बम को नष्ट किया।

दंतेवाड़ा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि गांव वालों के द्वारा जानकारी दिये जाने के बाद फौरन जवानों को मौके पर भेजा गया, सभी बम एक्सपायर थे, सभी को नष्ट कर दिया गया है। यह बम गांव के नजदीक खेतों में कहां से आए इस मामले की जांच की जा रही है। जांच के लिए एक टीम भी गठित की गई है। पूरी जांच होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

उल्लेखनिय है कि पैरा बम का उपयोग रोशनी के लिए किया जाता है। जवान जब भी सर्चिंग के लिए निकलते हैं तो अपने पास पैरा बम भी रखते हैं, यह खतरनाक नहीं है। मुठभेड़ के दौरान इस बम को आसमान में छोड़ा जाता है। आसमान में कुछ मीटर की दूरी पर जाकर यह फटता है, जिससे निकलने वाली रोशनी काफी तेज और बहुत दूर तक फैलती है। इससे छिपे हुए दुश्मनों को आसानी से देखा जा सकता है। इस बम का उपयोग बस्तर के जंगलों में ज्यादा नहीं हो पाता, क्योंकि यहां घनी झाडिय़ां हैं, इसलिए बस्तर में यह कारगर साबित नहीं हो पाता। इसका ज्यादातर इस्तेमाल खुले मैदानी इलाके में किया जाता है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

कोरबा का जंगल बनेगा कोबरा हाउस

कोरबा (आरएनएस)। पश्चिमी घाटी और तराई क्षेत्रों में पाए जाने वाले किंग कोबरा की मौजूदगी छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के जंगल में मिली है। वन विभाग की ओर से कराए गए सर्वे में यह पुष्ट हुआ है कि लेमरू व पसरखेत वन परिक्षेत्र में किंग कोबरा की संख्या सर्वाधिक है। अब इस क्षेत्र को किंग कोबरा हाउस रहवास क्षेत्रद्ध के रूप में विकसित किया जाएगा।

वर्ष 2014 में सबसे पहले कोरबा जिले के केराकछार में किंग कोबरा देखा गया। इसके बाद अभी पसरखेत व बताती गांव के बीच रहने वाले एक ग्रामीण के घर में 18 फीट लंबा किंग कोबरा मिला। बताना होगा कि इनकी अधिकतम लंबाई 20 फीट होती है। वन विभाग के अधिकारी किंग कोबरा की उपस्थिति के मिल रहे संकेत को गंभीरता से लेते हुए नोवा नेचर एनजीओ से सर्वे कराया। इस दौरान लेमरू व पसरखेत वन परिक्षेत्र में ही ढाई सौ से अधिक किंग कोबरा मिले। वन विभाग ने किंग कोबरा के संरक्षण व संवद्र्धन के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर राज्य शासन को सौंपा है। वन मंडलाधिकारी कोरबा प्रियंका पांडेय ने बताया कि इसे विशेष क्षेत्र घोषित करते हुए नए निर्माण व अधिग्रहण की कार्रवाई को प्रतिबंधित करने का आग्रह राज्य सरकार से किया गया है। किंग कोबरा एक ऐसा सांप है जिससे अन्य सांपों की प्रजातियां भी नियंत्रित होती है, जिसके कारण खाद्य श्रृंखला में किंग कोबरा की उपस्थिति बेहद जरूरी है। जल्द ही कोरबा में किंग कोबरा के निवास को विकसित करने महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। इससे कोरबा की जैव विविधतता और समृद्ध होगी।

लेमरू व पसरखेत के जंगल में किंग कोबरा के अनुकूल पौधे हैं और पानीदार क्षेत्र है। इस वजह से यह इनके रहने के लिए उपयुक्त स्थान साबित हो रहा। ग्रामीण क्षेत्र में इसे पहरचित्ती सांप के नाम से जाना जाता है। ग्रामीणों को वन विभाग किंग कोबरा से बचकर रहने के लिए जागरूक कर रही। तस्करों की नजर टेढ़ी ना हो इसलिए वन सुरक्षा समिति का गठन किया गया है, जिसमें ग्रामीणों को भी सदस्य बनाकर शामिल किया गया है।

किंग कोबरा दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों में से एक माना जाता है। इसके एक मिलीग्राम जहर से व्यक्ति की जान जा सकती। इस लिहाज से गांव-गांव में मितानिनों को एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही। यह अंडे देने के लिए पत्तों से घोसला बनाती है। एक बार में 20 से 35 अंडे देती है। यह अन्य सांपों को भी खा जाते हैं चाहे वह जहरीले ही क्यों न हो। खास बात यह है कि किंग कोबरा को कितना जहर स्राव करना है यह खुद तय करते हैं। कई बार बिना जहर दिए काटते हैं।